

पुसी लिकिंग स्टोरी : घर की लाइली-3

“मयूरी ने अपनी एक टांग उठा कर भाई के कंधे पर रख दी, अब भाई अपनी बहन की पुसी लिकिंग का पूरा आनंद ले रहा था. मयूरी के मुँह से सिसकारियां निकल रही थी आ... आह... भैया... ..”

Story By: indian lover (indian_lover)

Posted: Tuesday, October 16th, 2018

Categories: [भाई बहन](#)

Online version: [पुसी लिकिंग स्टोरी : घर की लाइली-3](#)

पुसी लिफिंग स्टोरी : घर की लाइली-3

मयूरी ने अपनी चूचियों की तरफ इशारा करते हुए शरारती मुस्कान डाली और फिर से विक्रम के सामने बैठ गयी. पर इस बार वो अपने पैर फैला कर बैठी जिससे विक्रम उसकी चुत के आस पास की जांघ को अच्छे से देख सके. साथ ही साथ मयूरी ने नोटिस किया कि अब विक्रम का लंड खड़ा होकर उसके शॉर्ट्स के अंदर तम्बू बना चुका है.

विक्रम- इनको चूचियां बोलते है, समझी ? सब पता है मुझे...

मयूरी- अच्छा... ? बहुत पता है तुम्हें ? कभी किसी की चूचियाँ देखी हैं ?

विक्रम शरारती मुस्कान के साथ- देख तो रहा हूँ... तुम्हारी !

मयूरी- अरे ये तो बंद हैं ब्रा में... पूरी खुली देखी हैं कभी ?

विक्रम- हाँ... सपना की... पर उसकी छोटी थी... इतनी बड़ी नहीं थी जितनी तुम्हारी हैं.

मयूरी- और क्या क्या देखा था उसका ?

विक्रम- और कुछ नहीं देख पाया था... बात आगे बढ़ ही रही थी धीरे-धीरे कि छोटे से उसके सम्बन्ध के बारे में पता चला मुझे !

सपना वही लड़की थी जिसकी वजह से मयूरी के दोनों भाइयों के बीच बातचीत नहीं होती थी.

मयूरी- तो तुमने सिर्फ देखा था या और भी कुछ किया था ?

विक्रम- तू क्या जानना चाहती है ?

मयूरी- यही की बात आगे बढ़ी ?

विक्रम- ज्यादा नहीं... मैंने उसकी चूचियां दबायी थी, चूसे भी थे एक बार उसकी पैंटी में हाथ भी डाला था बस!

मयूरी- ओह... तब तो बहुत बुरा लगता होगा कि हसरत पूरी नहीं हो पायी ?

विक्रम- हो जाती, पर छोटे ने सब काम खराब कर दिया.

मयूरी- या फिर बात तो यह भी हो सकती है कि तुमने उसका काम खराब कर दिया ?

विक्रम- तुम उसका साइड लेना बंद करोगी ?

मयूरी- अच्छा सॉरी...

विक्रम- कोई बात नहीं... अब अगर तुम्हारे जाले साफ हो गए हों तो पंखा चला दोगी ? गर्मी में हालत खराब हो रही है.

मयूरी उठती हुई- ये गर्मी कही मेरी वजह से तो नहीं ?

मयूरी जब उठ रही थी तो उसने अपनी चूचियों को जान बूझकर उसके चेहरे में सटा दिया और ऐसे नाटक करने लगी जैसे गलती से हुआ हो... विक्रम को मयूरी की चूचियों की वो मुलायम सी छुअन बेचैन कर गयी और जाते वक्त मयूरी ने अपनी गांड को भी उसके चेहरे पर सटा दिया ।

विक्रम मयूरी के इन आघातों से पूरी तरह घायल हुआ जा रहा था. अब उससे खुद पर नियंत्रण रखना नामुमकिन हो रहा था.

खैर मयूरी ने पंखा तो चला दिया पर अपना टॉप नहीं पहना. वो कमरे में अब भी सिर्फ ब्रा और शॉर्ट्स में थी. अब दोनों भाई बहन के बीच थोड़ा खुलापन आ गया था. विक्रम को भी उसका चूचियों का प्रदर्शन अब अजीब नहीं लग रहा था, बल्कि वो इसका आनन्द ले रहा था.

मयूरी थोड़ा इटलाती हुई- अगर इतनी ही अच्छी लग रही है तो नजदीक से एक बार

अच्छे से देख लो.

और ये कहते हुए वो अपनी चूचियों को विक्रम के एकदम चेहरे के भाई एक इंच की दूरी पर ले गयी. विक्रम इस वार से संभल नहीं पाया और हड़बड़ाहट में उसने मयूरी की चूचियों को दोनों हाथों से पकड़ लिया... फिर उसको अपनी गलती का एहसास हुआ और अपना हाथ जल्दी से पीछे हटाते हुए बोला- सॉरी... सॉरी... वो तुम अचानक से आ गयी तो गलती से मैंने जल्दी-जल्दी में पकड़ ली !

मयूरी- कोई बात नहीं भाई !

विक्रम हकलाते हुए)- ह.. हाँ.. ओके...

मयूरी- पर अगर तुम इनको पकड़ना चाहते हो तो पकड़ सकते हो.

विक्रम आश्चर्य से- सच्ची ?

फिर उसको अपनी गलती का एहसास हुआ और बोला- म... मेरा मतलब है... नहीं...

मयूरी- अरे कोई बात नहीं... सच्ची...

और ऐसा बोलते हुए मयूरी ने खुद ही विक्रम का हाथ पकड़ कर अपने चूचियों पर रखवा लिया.

विक्रम को जैसे विश्वास नहीं हुआ, वो खुशी और उत्साह के मारे उसकी गोल-गोल बड़ी चूचियों को पकड़कर हल्के-हल्के से दबाने लगा.

मयूरी के लिए यह अनुभव एकदम नया था, वो इस पल के एक-एक लम्हे का आनंद लेने लगी, उसके मुँह से सिसकारियां निकलने लगी- आह... भैया... बहुत मजा आ रहा है... है... और दबाओ... ना इनको !

विक्रम मयूरी की ऐसी कामुक बातों से और उत्साहित हो गया और जोर-जोर से मयूरी की अनछुई चूचियों को दबा-दबा कर आनंद लेने लगा. तभी मयूरी ने अपना एक हाथ विक्रम के शॉर्ट्स में डालकर उसके लंड को जोर से पकड़ लिया.

मयूरी के लिए यह पहली बार था जब वो किसी का लंड अपने हाथ में ले रही थी. उसने विक्रम के लंड के कड़ापन को महसूस किया... वो बहुत ही ज्यादा सख्त था... काफी लम्बा भी था. मयूरी उसके लंड को जोर-जोर से दबाने लगी और इधर विक्रम उसकी चूचियों को उमेठ-उमेठ कर मजे ले रहा था.

दोनों भाई बहन अपनी जवानी की बहार का आपस में मजा ले रहे थे. अब तक मयूरी की सारी योजना एकदम सही चल रही थी. दोनों ही भाई-बहन एक दूसरे को अपनी जवानी का पूरा मजा देना चाहते थे. वो इस समय पूरी तरह एक-दूसरे के हो जाना चाहते थे.

मयूरी और विक्रम ने लगभग इसी अवस्था में 10-15 मिनट आनंद लिया. फिर मयूरी ने धीरे से कहा- भैया...

विक्रम- ह... हाँ... बहना...

मयूरी- क्या मैं तुम्हारा ये हथियार देख सकती हूँ ? मैंने आज तक किसी का देखा नहीं है ये वाला !

विक्रम मुस्कराते हुए- इसको लंड कहते हैं मेरी बहना...

मयूरी इटलाती हुई- मुझे पता है कि इसको लंड कहते हैं.

अब दोनों भाई-बहन में कुछ शर्म-लाज नहीं बची थी. दोनों बस एक दूसरे को वो जिस्मानी सुख देना चाहते थे वो हर औरत मर्द एक-दूसरे को देना चाहता है. उन्हें इस बात से अब कोई फर्क नहीं पड़ता था कि वो दोनों सगे भाई-बहन हैं.

मयूरी जिद करते हुए- भैया, दिखा दो ना प्लीज...

विक्रम- हाँ मेरी जान... तू बिल्कुल देख ले और जो करना है वो कर इसके साथ... अब ये पूरी तरह से तुम्हारा है.

मयूरी- सच भैया... आई लव यू...

और यह कहते हुए मयूरी ने विक्रम के होंठों पर अपने रसीले गुलाबी और मुलायम होंठ रख कर एक गाढ़ा-सा चुम्बन दिया. विक्रम इस मामले में थोड़ा अनुभवी था. उसने मयूरी के निचले होंठों को चूसना शुरू किया और फिर अपनी जीभ को उसके मुँह में डाल दिया. मयूरी के लिए यह बिल्कुल नया था पर उसको ये एकदम से बहुत ही ज्यादा अच्छा लगा और वो इसका आनंद लेने में लग गयी. उसने विक्रम की जबान को चूसना शुरू किया और दोनों एक-दूसरे को करीब पांच मिनट तक चूसते रहे.

फिर मयूरी को अचानक कुछ याद आया और विक्रम के होंठों से अलग होते हुए बोली-
भैया... तुम्हारा लंड... मुझे वो देखना है.

विक्रम खड़ा हो गया, उसने अपने शॉर्ट्स निकाल दिया और उसका टनटनाता हुआ लंड बाहर खड़ा था. अब विक्रम का लंड मयूरी के चेहरे के ठीक सामने था. उसने बड़े प्यार से उसको देखा फिर अपने दोनों हाथों से उसको छू कर एहसास करने लगी. फिर उसने उसके लंड पर अपने होंठों से एक चुम्बन किया और फिर पूरा का पूरा लंड अपने मुँह में गपक से अंदर ले लिया और वो विक्रम के लंड को अपने मुँह में अंदर-बाहर करने लगी.

उसको विक्रम के लंड का स्वाद शुरू में थोड़ा नमकीन लगा पर वो उसको ये स्वाद इतना अच्छा लग रहा था कि जैसे उसको नशा-सा हो गया हो.

उसने विक्रम के लंड को अपने मुँह में आगे-पीछे करना जारी रखा.

इधर विक्रम भी पहली बार किसी लड़की के मुँह में अपना लंड दे रहा था और वो भी अपनी छोटी बहन के... वो इस समय बहुत एक्साइटेड था और अपने लंड को अपनी बहन के मुँह में महसूस कर रहा था. वो इस क्रिया में मयूरी का पूरा साथ दे रहा था और एन्जॉय कर रहा था.

दोनों भाई-बहन वासना में पूरी तरह से लिप्त हो चुके थे. उन्हें इस समय कुछ भी याद नहीं

था कि वे घर में हैं, वे सगे भाई-बहिन हैं, उनके बीच खून का रिश्ता है।

कुछ भी नहीं... दोनों को इस वक्त कुछ भी याद नहीं था ; दोनों बस एक दूसरे के हो जाना चाहते थे।

फिर करीब आठ दस मिनट तक अपना लंड अपनी प्यारी-सी सेक्सी-सी अधनंगी बहिन के मुँह में चुसाने के बाद विक्रम मयूरी के मुँह में ही झड़ गया। इधर उत्साह के मारे मयूरी ने अपने बड़े भाई के लंड से निकले एक-एक बून्द वीर्य को चाट लिया और गले के नीचे गटक कर गयी, वो अपने बड़े भाई के इस प्यार को बिल्कुल भी जाया नहीं करना चाहती थी।

अब विक्रम की बारी थी। उसने मयूरी से आग्रह करते हुए पूछा- मयूरी, क्या मैं तुम्हारी चुत देख सकता हूँ... प्लीज ?

मयूरी- हाँ मेरी जान... अब ये पूरी तरह से तुम्हारी है... क्यूँ ना इसका दीदार करने के लिए मेरे कपड़े तुम खुद निकालो ?

मयूरी अब खड़ी हो गयी थी ताकि उसका अपना बड़ा भाई उसको नंगा कर सके। मयूरी ने अब भी ब्रा, शॉर्ट्स और उसके नीचे एक पैटी पहनी हुई थी। विक्रम ने जरा भी देर ना करते हुए वो बैठा और सीधा उसकी शॉर्ट्स और फिर पैटी को एक साथ ही लगभग खींचता हुआ-सा निकलने लगा। मयूरी ने अपनी टांगें उठा कर ऐसा करने में उसकी पूरी मदद की।

अब मयूरी नीचे से पूरी तरह नंगी थी। उसके शरीर पर सिर्फ उसकी ब्रा पड़ी हुई थी। उसके भाई विक्रम ने अपने जीवन काल में पहली बार नंगी चूत देखी थी, और वो भी अपनी खुद की बहन की... वो बहुत ही ज्यादा उत्तेजित हो रहा था। उसने झट से पहले अपनी उंगलियाँ मयूरी की चुत पर रखी और फिर उसने बिना समय गंवाए अपनी जबान उसमें डाल दी। ऐसा करने में मयूरी ने उसकी पूरी मदद की और अपनी एक टांग उठा कर उसने विक्रम के कंधे पर रख दिया।

अब विक्रम के लिए मयूरी का चुत चाटना बेहद ही सुविधाजनक हो गया था. वो लगभग टूट पड़ा... मयूरी इस पल का पूरा आनंद ले रही थी. विक्रम भी इस सुख का पूरा अनुभव ले रहा था. मयूरी के मुँह से सिसकारियां निकल रही थी- आ... आह... भ... भैया... और जोर से चाटो... मेरी चुत को... घुस जाओ इस में... अब ये बिल्कुल तुम्हारी है... मयूरी सुख और आनंद के मारे कुछ-भी बड़बड़ा रही थी.

करीब 15 मिनट मयूरी के चुत की गहराइयों को अपनी जबान से नापने के बाद विक्रम उसकी चुत से अलग हुआ. इतनी देर में मयूरी 5-6 बार झड़ चुकी थी और विक्रम ने उसके चुत से निकला हुआ पूरा का पूरा माल अपने मुँह से चूस-चूस कर गटक लिया था.

दोनों काफी थक गए थे और आगे बढ़ने ही वाले थे कि घर के घंटी बजी. शायद रजत मूवी देख कर घर आ गया था.

और इसी घंटी से इन दोनों भाई बहन की तन्द्रा भी टूटी. अब दोनों अपनी पुरानी दुनिया में फिर से वापिस आये. जल्दी-जल्दी कपड़े पहने और फटाफट से माहौल को सामान्य करते हुए अपने अपने बिस्तर पर बैठ गए.

पर सच पूछो तो अब कुछ भी सामान्य नहीं बचा था. दोनों ने एक-दूसरे की तरफ देखा और दोनों ने एक-दूसरे को गहरी मुस्कान दी.

करीब आधे घंटे बाद रजत खाना-वाना खाकर कमरे में आया. वो सीधे अपने बिस्तर पर गया और लेट गया. मयूरी ने पूछा कि फिल्म कैसी थी तो उसने जवाब दिया की अच्छी थी और फिर थोड़ी देर के बाद सब सो गए. रात को एहतियात के तौर पर उस कमरे में मयूरी और विक्रम के बीच कुछ नहीं हुआ क्योंकि रजत वहीं पर सो रहा था.

कहानी जारी रहेगी.

indian_lover@outlook.com

Other stories you may be interested in

विलेज सेक्स : गाँव में आंटी ने मेरी सील तोड़ी

दोस्तो, मेरा नाम विहान है. मेरी उम्र 22 साल, कद 5'11", रंग अच्छा खासा गोरा है. मैं हरियाणा के सिरसा जिले के एक गाँव का रहने वाला हूँ. यह पिछले साल की बात है. मेरी रिश्तेदारी में गंगानगर के पास [...]

[Full Story >>>](#)

सिस्टर सेक्स : घर की लाड़ली-2

विक्रम पर पराक्रम शाम को विक्रम घर जल्दी आ गया लगभग आठ बजे के आस पास. जबकि रजत अपने दोस्त के साथ मूवी देखने गया था तो वो दस बजे तक आने वाला था। यह बात सबको घर में पता [...]

[Full Story >>>](#)

भाई बहन सेक्स : घर की लाड़ली-1

नमस्कार मित्रो! मेरे द्वारा लिखी चुदक्कड़ परिवार की कहानी भाई बहन की सेक्स स्टोरी कुछ माह पूर्व अन्तर्वासना पर प्रकाशित हुई थी. अब मैं उसके बाद की अगली कड़ी प्रस्तुत कर रहा हूँ. समय की कमी के कारण थोड़ा विलम्ब [...]

[Full Story >>>](#)

ट्रेन में मिली महिला की सेक्स की प्यास-2

दोस्तो, आपने मेरी सेक्स कहानी के पिछले भाग ट्रेन में मिली महिला की सेक्स की प्यास-1 में पढ़ा कि कैसे रेशमा नाम की एक महिला मुझे रांची से पटना तक की ट्रेन में मिली और उन्होंने मेरा लंड चूस कर [...]

[Full Story >>>](#)

बाप की हवस और बेटे का प्यार-4

मेरी हिंदी कहानी के पिछले भाग बाप की हवस और बेटे का प्यार-3 में आपने पढ़ा कि हम दोनों चुदाई के मूड में आ चुके थे. मनोज ने मेरे सारे कपड़े उतार कर मुझे नंगी कर दिया था और वो [...]

[Full Story >>>](#)

